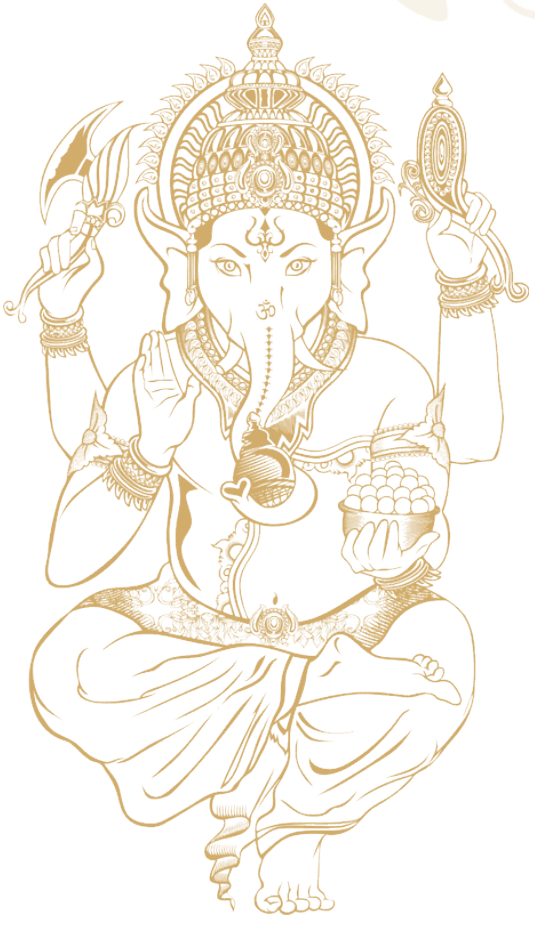

Mr.g

30 May 1987

03:00 AM

Pratapgarh Junction

Model: web-freekundliweb

Order No: 119673602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/05/1987**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	54:31:58 घटी
स्थान	**Pratapgarh Junctior**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:55:00 उत्तर
रेखांश	82:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:58:04 घंटे
वेलान्तर	00:02:44 घंटे
साम्पातिक काल	19:25:33 घंटे
सूर्योदय	05:11:12 घंटे
सूर्यास्त	18:47:31 घंटे
दिनमान	13:36:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:18:00 वृष
लग्न के अंश	05:12:31 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शूल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	05:12:31	466:40:59	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
सूर्य			वृष	14:18:00	00:57:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	09:34:45	11:59:38	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			मिथु	12:01:01	00:38:53	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
बुध			मिथु	05:54:33	01:26:48	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	स्वराशि
गुरु			मीन	26:41:47	00:11:57	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मेष	21:21:09	01:12:49	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	24:56:53	00:04:20	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	16:02:49	00:10:34	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	16:02:49	00:10:34	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	01:45:20	00:02:18	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	13:42:25	00:01:21	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	14:05:42	00:01:24	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			धनु	26:05:06	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:49

लग्न-चलित

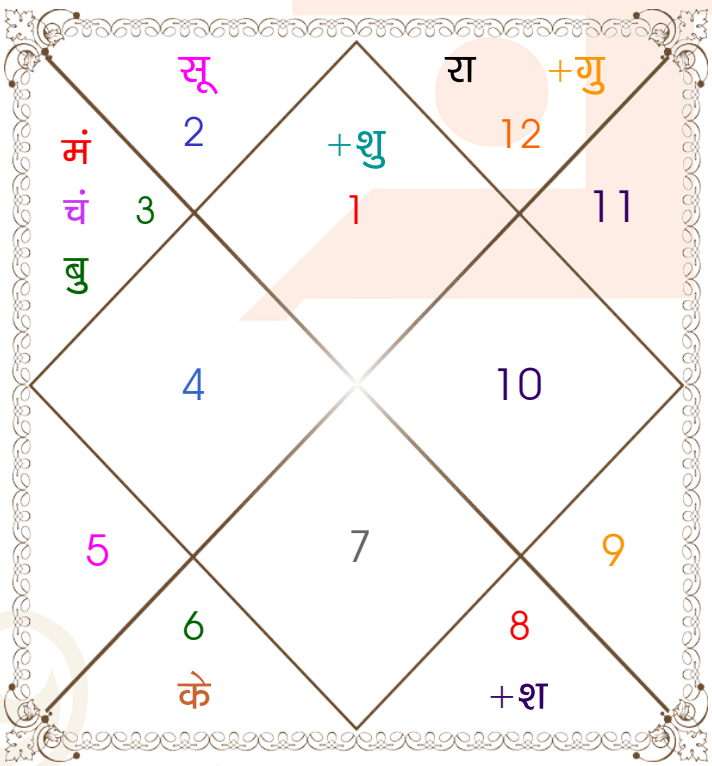

चन्द्र कुंडली

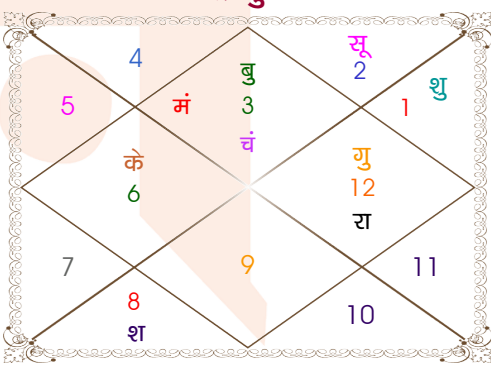

नवमांश कुंडली

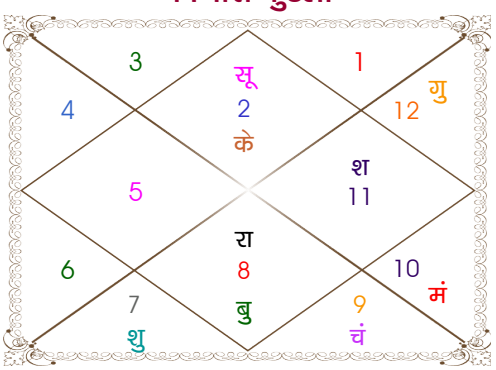

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 14 वर्ष 0 मास 24 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/05/1987		23/06/2001		23/06/2017		23/06/2036		23/06/2053	
23/06/2001		23/06/2017		23/06/2036		23/06/2053		23/06/2060	
	30/05/1987	गुरु	11/08/2003	शनि	26/06/2020	बुध	19/11/2038	केतु	19/11/2053
गुरु	29/07/1988	शनि	21/02/2006	बुध	06/03/2023	केतु	17/11/2039	शुक्र	19/01/2055
शनि	05/06/1991	बुध	29/05/2008	केतु	14/04/2024	शुक्र	16/09/2042	सूर्य	27/05/2055
बुध	23/12/1993	केतु	05/05/2009	शुक्र	14/06/2027	सूर्य	24/07/2043	चंद्र	26/12/2055
केतु	10/01/1995	शुक्र	04/01/2012	सूर्य	26/05/2028	चंद्र	22/12/2044	मंगल	23/05/2056
शुक्र	10/01/1998	सूर्य	22/10/2012	चंद्र	26/12/2029	मंगल	20/12/2045	राहु	11/06/2057
सूर्य	05/12/1998	चंद्र	21/02/2014	मंगल	03/02/2031	राहु	08/07/2048	गुरु	18/05/2058
चंद्र	04/06/2000	मंगल	28/01/2015	राहु	10/12/2033	गुरु	14/10/2050	शनि	27/06/2059
मंगल	23/06/2001	राहु	23/06/2017	गुरु	23/06/2036	शनि	23/06/2053	बुध	23/06/2060

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
23/06/2060		23/06/2080		23/06/2086		23/06/2096		24/06/2103	
23/06/2080		23/06/2086		23/06/2096		24/06/2103		00/00/0000	
शुक्र	23/10/2063	सूर्य	10/10/2080	चंद्र	24/04/2087	मंगल	19/11/2096	राहु	07/03/2106
सूर्य	22/10/2064	चंद्र	11/04/2081	मंगल	23/11/2087	राहु	07/12/2097	गुरु	31/05/2107
चंद्र	23/06/2066	मंगल	17/08/2081	राहु	24/05/2089	गुरु	13/11/2098		00/00/0000
मंगल	23/08/2067	राहु	11/07/2082	गुरु	23/09/2090	शनि	23/12/2099		00/00/0000
राहु	23/08/2070	गुरु	30/04/2083	शनि	23/04/2092	बुध	20/12/2100		00/00/0000
गुरु	23/04/2073	शनि	11/04/2084	बुध	22/09/2093	केतु	18/05/2101		00/00/0000
शनि	23/06/2076	बुध	15/02/2085	केतु	23/04/2094	शुक्र	19/07/2102		00/00/0000
बुध	24/04/2079	केतु	23/06/2085	शुक्र	23/12/2095	सूर्य	23/11/2102		00/00/0000
केतु	23/06/2080	शुक्र	23/06/2086	सूर्य	23/06/2096	चंद्र	24/06/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 14 वर्ष 0 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।